CMYK

www.maharashtracrimes.in www.maharashtracrimes.blogspot.in
Email : editor@maharashtracrimes.in maharashtracrimes@gmail.com

RNI NO. : MAHHIN/1998/02261

महाराष्ट्र क्राईम्स

वर्ष 21 | अंक 10 | मुंबई, 05 अगस्त 2022 | पृष्ठ : 8 | कीमत : 5 रुपये | प्रधान संपादक : सिराज चौधरी

रेशनिंग अधिकारी के नाम का दुरुपयोग

अवैध रुप से 'आजाद' कर रहा है उगाही !

आजाद जमाल खान

दत्ता माने

इंसान रुपये कमाने के लिए किसी भी हद तक जाता है, भले वह काम किसी भी तरह का क्यों ना हो? इसी तरह से मुंबई पश्चिम उपनगर के मालाड मालवणी परिसर मे रहने वाले आजाद जमाल खान नामक व्यक्ती जो पहले उत्तर प्रदेश के अयोध्या, जिला-फैजाबाद, तहसील- सुहावल, थाना-नवराई, ग्राम-जगनपुर का रहिवासी है. सन 1998 मे आजाद मुंबई मे नौकरी की तलाश मे आया. काफी दिन तक नौकरी के लिये आजाद इधर-उधर भटकता रहा. एक दिन आजाद को किसी ने एक गैस एजन्सी मे साफ-सफाई के लिए काम पर रख दिया. कुछ महिनों तक आजाद साफ-सफाई का काम करते-करते गैस एजन्सी के मालिक का निकटवर्ती बनकर काम करने लगा. उसकी इमानदारी पर खुश होकर मालिक ने आजाद को गैस एजेन्सी में मैकैनिक के रूप मे काम करने का मौका दिया. लगभग चार-पाच साल तक आजाद मैकैनिक का काम बड़ी इमानदारी के साथ कर रहा था. फिर मालिक ने आजाद की इमानदारी को देखते हुए आजाद को गैस बाटला सप्लाय की जिम्मेदारी दि. आजाद हर रोज घरेलू गैस ले जा कर घर देने और ग्राहको से रुपये लेकर गॅस एजन्सी मे जमा करने का काम कर रहा था. पहले तो आजाद बड़ी इमानदारी के साथ घरेलू गैस बाटला ले जाता, शाम को एजन्सी की ऑफिस मे रुपये बराबर जमा कर देता था. फिर धीरे-धीरे आजाद ऑफिस में रुपये कम जमा करने लगा. कई बार मालिक ने पूछा तो आजाद एक ही जवाब देता रहा कि जिनको मैंने बाटला दिया है, उन्होने अभी रुपये नही दिये है. मैं आपको अगले महिने हिसाब मे पुरा कर दुंगा. इसी तरह से लगभग बीस साल तक आजाद ने गैस एजन्सी मे हेराफेरी की. जानकार बताते हैं कि, इन बीस सालों में आझाद ने लगभग 8-9 करोड रुपये की गैस एजन्सी के साथ धोकाधडी की है. स्थानीय जानकारों का कहना है कि गैस एजन्सी मालिक ने आजाद से पुरा हिसाब करके आझाद से रुपये मांगना चाहा, तभी आजाद ने रुपये ना देने की सोच कर गैस एजन्सी मालिक के खिलाफ कहने लगा कि, मैं आपकी यह नौकरी छोड रहा हु और आपके जो रुपये हैं मैं दे दूंगा. कई महीनों तक मालिक आजाद से हिसाब के रुपये मांगता रहा लेकिन आजाद ने रुपये नही दिये और फिर कुछ लोगों से आजाद यह कहता रहा की मेरा उस गैस एजन्सी के ऊपर 8-9 करोड रुपये निकलता है. यह बात जब मालिक को पता चली, तभी मालिक ने आजाद को अपने ऑफिस मे बुलाकर पूछा कि, ''तुम झुठी बात क्यों फैला रहे हो कि तुम्हारे रुपये मेरे उपर निकल रहे है?'' इस बात से आजाद मुकर गया और फिर कुछ दिनों बाद आजाद ने कुछ पत्रकार कथित समाजसेवक और राजनेताओ के साथ मिलकर उसी गैस एजन्सी के खिलाफ झुठी शिकायत करना शुरू की और इसी के साथ राशनिंग विभाग में कुछ अधिकारियों से जान पहचान होने का गैरफायदा उठाने लगा. इस वक्त आजाद के जबान से एक ही नाम बडी जोर जोर से निकल रहा है वह है, वडाला रेशनिंग कार्यालय ई-परिमंडळ मे कार्यरत श्री. गुलाम अली शेख. आजाद आठ दस गैस एजन्सी मालिकों से रेशनिंग विभाग के किसी भी अधिकारीओ के नाम से रुपये लिया करता था. लेकिन आज सिर्फ गुलाम अली शेख जी के नाम से फोन करके उन्हे यह धमकाता है कि (पेज ८ पर....)

श्लोक लॉज में खुलेआम चल रहा है देह व्यापार

कुछ ही दूरी पर है ए.सी.पी. कार्यालय

मुम्बई: विशेष संवाददाता महाराष्ट्र क्राइम्स :

एक कहावत है, कहा जाता है कानून के हाथ लंबे होते है , जो दिखते नहीं लेकिन अपनी पकड़ मजबूत रखते है . फिर वह किसी भी तरह का अपराध क्यू न हो . लेकिन कुछ अपराधी आज भी कानून के शिकंजे से दूर है . और अवैध तरीके से श्लोक लॉज का संचालन कर रहें है .

इन दिनों चेंबूर पश्चिम में सहायक पुलिस आयुक्त देवनार विभाग (ए.सी.पी.) कार्यालय के कुछ दूरी पर मानखुर्द लिंक रोड छेड़ा नगर हाइवे लगत श्लोक लॉज में देह व्यापार का अश्लील कारोबार खुलेआम चल रहा है .

एक समाज सेवक ने अपना नाम न छापने की शर्त पर हमें जानकारी दी है कि, यह अवैध तरह से चलाया जाने वाला लॉज दिन रात खुलेमाम चलता है . इस पर समय का कोई प्रतिबंध नही है . वही इस लॉज में आवश्यकता के अनुसार लड़कियों की उम्र की मांग को लेकर तुरंत इंतजाम किया जाता है . इस बात से साफ जाहिर होता है की , इस लॉज में हर उम्र की लड़कियां मिल सकती है . एक तरफ जहां देश कोरोना महामारी की मार को झेल चुका है . वही अवैध तरीके से शारीरिक सम्बन्ध बनाने के लिए कई लोग इस लॉज में आकर अपनी हवस को मिटाते है . इस से एड्स का खतरा तो बना रहता ही है . साथ ही कोरोना महामारी के प्रसार को नकारा नहीं जा जाता . सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार इस अवैध धंधे को कुछ खुखार गुंडों का आशीर्वाद प्राप्त है . इस ओर प्रशासन ने ध्यान देना जरूरी है . कुछ ही दूरी पर एसी पी कार्यालय होने से क्या पुलिस इस अवैध कारोबार से अंजान है . या पुलिस जान बूझकर मूकदर्शक की भूमिका निभा है . इस तरह के कई सवालिया निशान स्थानीय लोगों द्वारा पुलिस पर लगाए जा रहें है .

गोवंडी बैगनवाड़ी इंदिरानगर नगर में घटित हुई एक दिल दहलाने वाली घटना एक ही परिवार के 4 सदस्यों ने किया आत्महत्या

पहले पति ने बीवी, बच्चों को जहर देकर खुद फांसी पर झूला

मुंबई : केंद्र की सत्ता में जब से मोदी सरकार बैठी है तब से देश की अर्थव्यवस्था जहां चौपट हो चली है । परिणाम स्वरूप देश का रुपया जहां अपने निचले स्तर पर गिर चुका है ,एक डॉलर के मुकाबले रुपए 80 रुपये गिरकर पहुंच चुका है ।जिससे देश भर में जनता के बीच बढ़ती बेरोजगारी ,आर्थिक परेशानियों के कारण अब आत्महत्या जैसा दिल दहलाने वाला कदम उठाने से भी नहीं चूक रहे है ।ऐसी चर्चा पद्म नगर के एक झोपड़े में हुई दर्दनाक आत्महत्या की घटना के बाद से लोगों की जुबान पर चल रही थी । बताते है कि इस तरह की तीसरी घटना है आर्थीक तंगी के कारण स्वयं के साथ अपने परिवार को खत्म कर लेने वाली घटना ।

जानकारी के अनुसार मुंबई उपनगर के गोवंडी , बैगनवाड़ी इंदिरानगर नगर में घटित हुई एक

शकील खान मृतक

शरीफ खान/ अतिफा खान मृतक

दिल दहलाने वाली घटना एक दुकानदार अपने ही परिवार का आर्थिक परेशानी के कारण दुश्मन बन गया । बताते है कि उसने सबसे पहले अपने बीवी ,दो बच्चों को जहर दिया उसके बाद खुद फांसी के फंदे पर झूल गया ।

बताते है कि मृतक शाकिल खान 34 वर्ष पत्नी 28 वर्ष तथा दो बच्चे शरीफ खान व आतिफा खान 4 सदस्यों ने किया आत्महत्या । उपरोक्त आत्महत्या की घटना को लेकर पद्मनागर इलाके के जहां आस पड़ोस के लोग सन्न है ,किसी को भी यकीन नही हो रहा है कि यह दुकानदार व्यापारी ऐसा दिल दहेलाने वाला कदम उठायेगा ।शिवाजीनगर पोलिस स्टेशन के वरिष्ठ पोलिस निरक्षक अर्जुन राजाने ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि परिवार के चारों सदस्यों की बॉडी राजा वाड़ी अस्पताल में।पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया है । वहीं उपरोक्त मामले में आर्थीक तंगी के कारण आत्महत्या का मामला दर्ज किया है । वरिष्ठ निरक्षक के अनुसार मृतक ने घर के भीतर से कड़ी लगाकर वारदात को अंजाम दिया ।

CMYK

संपादकीय

सरकार की छवि

पश्चिम बंगाल मंत्रिमंडल में होने जा रहा फेरबदल जितना स्वाभाविक है, उतने ही गहरे उसके निहितार्थ हैं। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की टीम में चार नए मंत्रियों को शामिल किया जा सकता है। वहीं दूसरी ओर, कुछ दिग्गज नेताओं को मंत्रिमंडल से हटाकर पार्टी संगठन में भेज दिया जाएगा। यह फेरबदल वरिष्ठ मंत्री पार्थ चटर्जी के दुखद विवाद या नकदी कांड में फंसने के बाद अवश्यंभावी हो गया था। पार्थ चटर्जी को 23 जुलाई को जैसे ही गिरफ्तार किया गया, ममता सरकार के लिए मुसीबत खड़ी हो गई। पश्चिम बंगाल सरकार की नैतिकता पर बडे.प्रश्न खडे.हो गए थे। किसी मंत्री से जुडे.ठिकानों पर इतनी बड़ी राशि का बरामद होना न केवल दुखद, बल्कि बेहद शर्मनाक भी है। गौर करने की बात है कि पश्चिम बंगाल में 'कट मनी' को लेकर पहले से ही शिकायत थी, लेकिन चुनाव के बाद एक तरह से इस मामले को भुला दिया गया। संकेत यही मिला कि पश्चिम बंगाल में मंत्री भ्रष्टाचार से परहेज नहीं कर रहे हैं। नेताओं की कथनी-करनी का अंतर लोगों के सामने स्पष्ट हो गया है।

पश्चिम बंगाल सरकार की छवि आम आदमी के अनुकूल रही है। यहां तक कि ममता बनर्जी को भी आम लोगों की जमीनी नेता ही माना जाता है। जब पार्टी के नाम में ही तृणमूल शब्द जुड़ा हो, तब लोगों की अपेक्षा भी बहुत बढ़ जाती है, लेकिन पार्थ चटर्जी कांड ने पार्टी के दामन पर गहरे दाग लगाए हैं। क्या आगामी फेरबदल से दाग धुल जाएंगे? गौर करने की बात है कि ममता बनर्जी राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पार्टी को एक मजबूत विकल्प के रूप में खड़ा करने के लिए प्रयासरत हैं। उन्हें अपने नए मंत्रिमंडल को न केवल ईमानदार रखना होगा, जनता के बीच यह साफ संदेश भी भेजना होगा कि उनकी सरकार ईमानदार है। पहले भी राज्यों में ऐसे बड़े क्षत्रप हुए हैं, जिनमें केंद्रीय राजनीति के लिए संभावनाएं देखी गई थीं, लेकिन ऐसे क्षत्रपों का आभामंडल स्थानीय स्तर पर ही समेटने में भ्रष्टाचार की बड़ी भूमिका रही है। केंद्रीय स्तर पर स्थापित होने के लिए पहले राज्य स्तर पर सुस्थापित होना पड़ता है। वर्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी मुख्यमंत्री रहते अपनी छवि को एक विकास पुरुष के रूप में स्थापित किया था। ममता बनर्जी की छवि अपने राज्य में विकास के मोर्चे पर कैसी है? और ऊपर से उनके मंत्रियों पर भ्रष्टाचार के आरोप भारतीय राजनीति के लिए दुखद हैं। क्या तृणमूल के नेताओं को यह भ्रांति हो गई है कि जनता भ्रष्टाचार के आरोप को माफ कर देती है? गौर कीजिए, शारदा और नारदा जैसे मामलों के बावजूद तृणमूल चुनाव जीती है। यही नहीं, राज्य में इन घोटालों के कुछ आरोपी भाजपा में भी ससम्मान शामिल किए गए हैं। अत: पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं के बीच यह संदेश गया है कि भ्रष्टाचार को लोग मुद्दा नहीं मानते। ममता बनर्जी के सामने ईमानदार मंत्रिमंडल के गठन की चुनौती दरअसल भारतीय राजनीति की चुनौती है। देश को ईमानदार मंत्रियों की जरूरत है। हम अच्छे से जानते हैं कि देश में धन-वर्षा हो रही है, पर यह वर्षा देश के विकास के लिए है, किन्हीं मंत्रियों के व्यक्तिगत विकास के लिए नहीं। देश के अन्य मंत्रिमंडलों में भी अनेक पार्थ चटर्जी होंगे, जो यह भूल गए होंगे कि उन्हें क्यों चुनकर भेजा गया है। ऐसे मंत्रियों को चिह्नित करना होगा। मंत्रियों की ईमानदारी सुनिश्चित करने के लिए निष्पक्ष जांच व कार्रवाई की जरूरत है। अत: बंगाल ही नहीं, पूरे देश में ईमानदारी के अनुरूप फेरबदल समय की मांग है।

कांग्रेस और टीएमसी को केंद्रीय भूमिका

अगर 2024 में विपक्ष भाजपा को किसी भी प्रकार की चुनौती देना चाहता है तो उसमें कांग्रेस और टीएमसी को केंद्रीय भूमिका निभानी होगी। सम्भावनाएं हैं कि विपक्ष की ओर से ये ही दो पार्टियां सर्वाधिक सीटें जीतेंगी। लेकिन जब ममता एक भाजपा-विरोधी गठबंधन के समर्थन में नई दिल्ली आईं तो राहुल गांधी ने उनसे भेंट नहीं की। राहुल के प्रतिकूल रवैए ने एक सम्भावित कांग्रेस-टीएमसी गठबंधन पर सवालिया निशान लगा दिए। इधर ममता अपने पूर्व मंत्री पार्थ चटर्जी के भ्रष्टाचार से स्वयं को भरसक दूर रखने की कोशिश कर रही हैं, लेकिन बंगाल में हर कोई जानता है कि वहां ममता की सहमति के बिना पत्ता भी नहीं खड़कता। इस घोटाले ने ममता की सादा छवि पर बट्टा लगा दिया है, जिसे उन्होंने गढ़ा था। वे सफेद सूती साड़ी पहनती हैं, छोटे घर में रहती हैं और उनकी जीवनशैली सादगी से भरी है। लेकिन ईडी को चटर्जी की करीबी अर्पिता के घर से जो धन-दौलत मिली, वो यकीनन पार्टी-फंड्स हैं, जिन्हें ह्यसुरक्षितह्व ठिकानों पर सहेजकर रखा गया था। 2011 में मुख्यमंत्री बनने के बाद से ही ममता पर राजनीतिक हिंसा भड़काने और बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार के आरोप लगते रहे हैं। शारदा घोटाले की जांच तो अभी तक चल रही है। अनेक टीएमसी नेता इसके घेरे में हैं। लेकिन पार्थ चटर्जी और अर्पिता जिस एसएससी घोटाले में फंसे हैं, वह 2016 में तब शुरू हुआ था, जब चटर्जी को ममता ने शिक्षा मंत्री बनाया था। यह घोटाला ममता की राष्ट्रीय महत्वाकांक्षाओं पर भारी पड़ सकता है। ममता अतीत में लगाए आरोपों को दरकिनार करती रही हैं। टीएमसी कैडर द्वारा भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ की गई हिंसा के मामले से भी उन्होंने खुद को अलग कर लिया था। बंगाल चुनाव परिणामों के बाद हुई उस हिंसा के बाद जब भाजपा हाईकमान ने भी अपने कार्यकर्ताओं की हत्याओं पर ढुलमुल रवैया अपनाया तो इससे ममता के हौसले बुलंद हुए। वास्तव में बंगाल 1977 में वाम दलों के सत्ता में आने के बाद से ही राजनीतिक हिंसा का गढ़ बना हुआ है। लेफ्ट के 34 वर्षीय शासनकाल में राजनीतिक विरोधियों की टारगेटेड किलिंग आम बात थी। लेकिन टीएमसी तो खूनखराबे की इस संस्कृति को एक दूसरे ही स्तर पर ले गई है। 2021 की जीत के बाद ममता के मन में राष्ट्रीय महत्वाकांक्षा जगी थी, लेकिन अब उनकी छवि धूमिल हो चुकी है। 2024 में बंगाल से 35 सीटें जीतने के अरमान ठंडे होने लगे हैं। और राहुल के बारे में क्या? जहां मोदी और शाह चौबीस घंटे के राजनेता हैं, वहां राहुल पार्ट-टाइमर दिखाई देते हैं। वे जब-तब संसद में कैमियो अपीयरेंस देते हैं। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पार्टी से दूर होते जा रहे हैं। उसकी सत्ता केवल दो राज्यों में शेष रह गई है। पंजाब, कर्नाटक और महाराष्ट्र भी अब हाथ से निकल गए। राहुल जानते हैं कि 2024 में कांग्रेस के लिए 50 सीटें जीतना मुश्किल होगा। 2019 में भी उसके द्वारा जीती 52 सीटों में से 15 तो अकेले केरल से थीं। यूपी में कांग्रेस ने प्रियंका गांधी के नेतृत्व में विधानसभा चुनाव लड़ा था। करारी हार से उनका भी उत्साह ठंडा हो चुका है। प्रियंका के नेतृत्व में कांग्रेस का वोट-शेयर 6.25 से घटकर 2.33 पर पहुंच गया था। वास्तव में आज

भारतीय राजनीति में तीन केंद्र बन गए हैं। एक तरफ लगभग अपराजेय भाजपा है। दूसरी तरफ केसीआर, जगन रेड्डी, एमके स्टालिन, नवीन पटनायक जैसे क्षेत्रीय क्षत्रप हैं, जिनकी निष्ठा किसी के प्रति नहीं, सिवाय अपनी जागीरों के। कांग्रेस तीसरी धुरी है, लेकिन यूपीए बिखर रहा है। शरद पवार के नेतृत्व में विपक्ष ने रणनीति बनाई थी कि यूपीए, टीएमसी व क्षेत्रीय नेताओं को मिलाकर गठजोड़ बनाया जाएगा, लेकिन महाराष्ट्र के हादसे के बाद ये हौसले भी पस्त हो चुके हैं। देश को यही संदेश गया कि जब एक बेडौल गठबंधन एक राज्य में सत्ता नहीं बचा सका तो पूरे देश में कैसे एकजुट रह सकेगा?

दुमछल्ले और पिछलग्गू राष्ट्र की अनिवार्य नियति

जहां तक अल-कायदा का प्रश्न है, अभी तो जवाहिरी के उत्तराधिकारी की खोज होगी। अल-कायदा अब वैसा नहीं रहा, जैसा ओसामा के जमाने में था। वह निरंतर कमजोर होता गया है। उसके कई टुकड़ों ने अपने-अपने संगठन खड़े कर लिए हैं। 'इस्लामिक स्टेट ऑफ खुरासान प्रोविंस' (आईएसकेपी) नामक आतंकी संगठन अब पश्चिम और दक्षिण एशिया के देशों में पांव पसार रहा है।

जवाहिरी की जगह लेने के लिए तीन-चार नाम उभर तो रहे हैं लेकिन उन्हें पता है इस वक्त अफगानिस्तान व पाकिस्तान की हालत इतनी खस्ता है कि वे पहले की तरह अल-कायदा, इस्लामिक स्टेट, अंसार-अल-इस्लाम और दक्षिण एशियाई अल-कायदा जैसे संगठनों की मदद नहीं कर सकते। लेकिन अफगानिस्तान की तालिबान सरकार की मदद के बिना क्या काबुल के शेरपुर नामक शानदार इलाके में जवाहिरी रह सकता था? जिस फ्लैट में वह रह रहा था, वह भी किसी तालिबानी नेता के रिश्तेदार का बताया जाता है। एक तरफ तो तालिबान आतंकवाद के विरोध की बात करते हैं, दूसरी तरफ जवाहिरी जैसे पता नहीं कितने आतंकवादियों को काबुल, कंधार और जलालाबाद में प्रश्रय दिए हुए हैं। अमेरिकी सरकार ने तालिबान सरकार पर 2020 के दोहा समझौते के उल्लंघन का आरोप लगाया है। उसमें तालिबान ने वायदा किया था कि वे आतंकवाद को अफगान भूमि पर कतई नहीं पनपने देंगे। इस मसले पर अपना मुंह छिपाने या दुम दबाने के बजाय तालिबान सरकार ने अमेरिका की निंदा की है। जो देश संकटग्रस्त अफगान जनता की मदद करना चाह रहे थे, वे भी अब इस घटना के कारण जरा दुबकेंगे। हालांकि चीन ने अमेरिका को अफगानिस्तान की संप्रभुता भंग करने का दोषी ठहराया है। उसका मूल कारण प्रशांत और पश्चिम एशिया क्षेत्र में अमेरिका की चीन-विरोधी गठबंधन खड़े करने की नीति है। इसके अलावा चीन चाहता है कि अफगानिस्तान के खनिज पदार्थों की खदानों पर उसका एकाधिकार हो जाए। चीन की तरह भारत ने कभी अफगानिस्तान के शोषण की कोशिश नहीं की। भारत की सरकारों ने अफगानिस्तान में इतने निःस्वार्थ निर्माण-कार्य किए हैं, जितने किसी अन्य देश ने नहीं किए। काबुल में पाकिस्तानपरस्त तालिबान सरकार बनने के बावजूद भारत ने हजारों टन अनाज और दवाइयां अफगान जनता के लिए भिजवाई हैं। लेकिन भारत को भी सोचना पड़ेगा कि तालिबान सरकार के साथ संबंध कैसे रखे? तालिबान में हक्कानी गुट वजनदार है और उसका अल-कायदा से गहरा गठजोड़ है। भारत ने अपने राजदूतावास को काबुल में पुनः सक्रिय कर दिया है लेकिन उसे तालिबान सरकार के युवा तत्वों पर दबाव बनाए रखना होगा कि वे आतंकवाद को न प्रोत्साहित करें, न ही किसी राष्ट्र का मोहरा बनने की कोशिश करें। इस वक्त भारत की भूमिका ठंडी और गर्म एक साथ आवश्यक है। पाकिस्तान की हालत इसमें बड़ी विचित्र हो गई है। ओसामा पर अमेरिकी हमला क्या पाकिस्तान की मदद के बिना हो सकता था?

कोई आश्चर्य नहीं कि जो ओसामा और जवाहिरी पाकिस्तान के दम पर दनदना रहे थे, उनका खात्मा भी पाकिस्तान की मदद से हुआ। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने अपने बयान में न जवाहिरी का नाम लिया और न ही अमेरिका की भर्त्सना की। पाकिस्तान का यह रवैया किसी भी दुमछल्ले और पिछलग्गू राष्ट्र की अनिवार्य नियति है।

मालाड के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक लिंगाड़े हुए सेवा निवृत्त

मुंबई। महाराष्ट्र पुलिस सेवा में ३ दसक तक पुरी तन्मयता के साथ सेवा करने के बाद मालाड पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक

धनंजय लिंगाड़े रविवार ३१ जुलाई को सेवानिवृत्त हो गए। उनके रिटायरमेंट को यादगार बनाने के लिए पुरे स्टाफ ने विदाई समारोह का आयोजन किया। जिसमें उनके साथ काम कर चुके कई पूर्व पुलिस अधिकारी भी शामिल हुए। सभी ने उन्हें आगामी जीवन की सुभकामना देते हुए स्वस्थ और दीर्घायु होने की कामना की।

गौरतलब हो की महाराष्ट्र के सोलापुर जिले के मुल निवासी लिंगाड़े ३० साल पहले पुलिस सेवा में शामिल हुए उनकी पहली पोस्टिंग कांदिवली पुलिस स्टेशन में हुई। इसके बाद अनेक विभागों में काम करते हुए कोरोना काल से पूर्व मालाड पुलिस स्टेशन में वरिष्ठ

पुलिस निरीक्षक के रुप में नियुक्ति हुई।

अपने कार्यकाल के दौरान लिंगाड़े ने कई दर्जन जटिल केसों को सुलझाया और आरोपियों को हवालात के पिछे पहुंचाया। उनके इन्हीं कामों को देखते हुए कई मुंबई पुलिस के सीपी द्वारा उन्हें ५ से ६ बार पुरस्कृत किया। लिंगाड़े के २ बच्चे उच्च शिक्षित होकर बड़ी कंपनियों में कार्यरत है।

फर्जी रेप के आरोप में एक पत्रकार को फंसानेवाले

रिश्वतखोर पुलिस निरिक्षक को मानवाधिकार आयोग का समन

बदले की भावना से एक वरिष्ठ पत्रकार को फर्जी रेप के आरोप में फंसानेवाले माहिम पुलिस थाने के पुलिस निरिक्षक सूर्यकांत कांबले को राज्य मानवाधिकार आयोग ने समन जारी कर जबाव मांगा है कि किस सबूत के आधार पर पत्रकार को गुनहगार बनाया गया था। कांबले पर यह आरोप है कि फर्जी सबूत के आधार पर और कथित पीडिता पर दबाव बनाकर एक पत्रकार को रेप के आरोप में फंसाने के बाद पत्रकार के परिवार से केस कमजोर करने के एवज में डेढ लाख रूपए मांगे थे।

गौरतलब है कि सन 2014 में वरिष्ठ पत्रकार शैलेश जायसवाल को रेप के आरोप वे गिरफ्तार किया गया था। इस मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट ने उन्हें निर्दोष बरी करते हुए यह कहा कि इस घटना की जांच सही तरिके से नही की गई थी। जबकि सत्र न्यायालय में यह साबित हुआ है कि फर्जी दस्तावेज के आधार पर शैलेष जायसवाल को पोक्सो कानून में फंसाने की कोशिश की गई थी। जबकि कथित पीडिता ने भी स्वयं बॉम्बे हाईकोर्ट में दोबारा दिए अपने बयान में ये कहा है कि वह पत्रकार के खिलाफ फर्जी शिकायत देने को तैयार नहीं थी। जिसके कारण पुलिस ने सरकार की ओर से यह मामला दर्ज कर पत्रकार को गलत तरिके से गिरफ्तार कर प्रताडित किया था। बता दे कि बॉम्बे हाईकोर्ट ने पत्रकार को इस मामले में पूरी तरह निर्दोष मुक्त करने के बाद राज्य सरकार ने भी कथित पीडिता को भी मनोधैर्य योजना के तहत दी गई रकम को वापस लौटाने का आदेश जारी किया है।

पत्रकार शैलेश जायसवाल ने दिए बयान के मुताबिक सन 2014 में कुछ फेरीवाले और दुकानदारों ने मिलकर उनसे शिकायत की

थी कि जोगेश्वरी पुलिस थाने के पुलिस निरिक्षक सूर्यकांत कांबले उनके दुकानों से मुफ्त में सामान ले जाते है और जबरन फेरीवालों पर कार्रवाई नहीं करने के बदले उनसे जबरन पैसे मांगते थे। ज्ञात हो कि सूर्यकांत कांबले इस समय माहीम पुलिस थाने के वरिष्ठ पुलिस निरिक्षक के तौर पर कार्यरत है। इसी दौरान फेरीवाले और दुकानदारों की लिखित शिकायत मिलने के बाद जायसवाल ने सूर्यकांत कांबले से मिलकर जवाब तलब किया और उसके बाद पूरे तथ्यों के साथ समाचार को आखबार में प्रकाशित किया। इस समाचार के छपने के बाद पत्रकार के प्रति मन में बदले की भावना रखते हुए सूर्यकांत कांबले ने साजीश रच कर पत्रकार को पोक्सो कानून में फंसाकर प्रताडित किया। पत्रकार शैलेश जायसवाल ने मानवाधिकार आयोग को दिए शिकायत में कहा कि पुलिस कस्टडी के दौरान सूर्यकांत कांबले ने मानवाधिकार का उल्लंघन करते हुए उन्हें निर्वस्त्र करके बूरी तरह मारापीटा गया था। कथित पीडिता जब पत्रकार के खिलाफ शिकायत करने को तैयार नहीं थी, तब सूर्यकांत कांबले ने उस पर दबाव बनाया और सरकार की तरफ से सूमोटो एफआईआर दर्ज कर जायसवाल के खिलाफ फर्जी कार्रवाई की। इसके बाद पीडिता को जानबूझकर बाल सुधार गृह भेजकर तीन महिने तक कैद रखा। ताकि उसे परिवार से मिलने नहीं दिया जा सके। वहीं कथित पीडिता के परिवारवालों को मनोधैर्य योजना के जरिए मिलनेवाली मोटी रकम का लालच देकर उनसे फर्जी दस्तावेज बनवाकर जायसवाल को पोक्सो के तहत फंसाने की कोशिश की गई। ताकि जायसवाल को जमानत नहीं मिल सके।

ज्ञात हो कि विभिन्न अनैतिक कार्रवाई के चलते सूर्यकांत कांबले हमेशा से ही समाचारों एवं सोशल मीडिया के ट्रोल का शिकार होकर बदनाम होते रहे हैं। मानवाधिकार आयोग ने जायसवाल की शिकायत पर संज्ञान लेते हुए कांबले को समन जारी किया है। अगली सुनवाई 25 अगस्त को होनी है। जबकि कई समाजसेवक एवं संस्थाओं ने मिलकर जायसवाल के समर्थन में राज्य मानवाधिकार आयोग को पत्र लिखकर कारंवाई की मांग की है।

इस मामले को लेकर मिशन पत्रकारिता हेल्प विंग के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं इलाहाबाद हाईकोर्ट के पूर्व जस्टीस रविंद्रसिंह यादव ने इस घटना की तीव्र निंदा करते हुए कहा कि आजकल किसी को बदनाम करने के लिए फर्जी बलात्कार के मामहों में काफी इजाफा देश में देशने को मिल रहा है। यह सरासर न्यायिक आतंकवाद ही है, जिससे आरोपी पुरूष की जिंदगी लगभग बर्बाद ही हो जाती है। उन्होंने कहा कि कानून का दुरूपयोग कर फर्जी आरोप में किसी को फसानेवाले व्यक्ति के खिलाफ कडी कार्रवाई के नियम सरकार को बनाने चाहिए। साथ ही निर्दोष मुक्त हुए पीडित व्यक्ति के पुनर्वसन का भी प्रावधान होना चाहिए। ताकि फिर कभी कोई किसी पर फर्जी आरोप ना लगा सके।

हम आजाद हैं, ये आजादी कभी छिनने नहीं देंगे, तिरंगे की शान को हम कभी मिटने नहीं देंगे

कोई आंख भी उठाएगा जो हिंदुस्तान की तरफ, उन आंखों को फिर दुनिया देखने नहीं देंगे

Mohd. Raza Khan
(President)

Mob. : + 91 - 9820022193
8850541668

STHANESHWAR CO-OP. CREDIT SOCIETY LTD.

JSMO

Jan Seva Margadarshan Organisation

Regd.. No. F-74125

Head Office : G-1, Rahat Mansion, Near Criti Care Hospital Teli Galli, Andheri East, Mumbai

Branch : Shop No. F/2, 32 2nd Floor, The Mall (Station Road), Malad (West), Mumbai - 400064 Email : jsmopowai gmail.com

क्रांतिकारी
KRANTIKARI

जय हिंद सेना
JAI HIND SENA

ॲड. आर. एन. कच्छवे

संस्थापक / राष्ट्रीय महासचिव

Mob. : 9821387099 , 9224799546,

Head : 27/28, 2nd floor, IDA Mansion, 18-Vaju Kotak Marg, Fort, Mumbai - 400 001.
website : krantikarijaihindsena.com,
E-mail : kramchandra2010@gmail.com

गेंद क्लास रूम में चली गई; अंदर घुसते ही देखा हैंड ग्रेनेड...

सांगली: जाट तालुका के डफलापुर के कुडनूर गांव के एक स्कूल में एक हथगोला मिला है. बम एक कमरे में मिला जब स्कूली बच्चे खेल रहे थे। इसलिए हंगामा हो गया है। पुलिस की बम डिटेक्शन टीम मौके पर पहुंची और हैंड ग्रेनेड को कब्जे में ले लिया। बम यहां कैसे पहुंचा इसकी जांच शुरू कर दी गई है।

सांगली जिले के जाट तालुका के डफलापुर के पास कुडनूर गांव में मराठी लड़कों के लिए एक स्कूल में ग्रेनेड मिला। स्कूली बच्चे क्रिकेट खेल रहे थे। खेलते समय उनकी गेंद खिड़की से होते हुए एक क्लास रूम में चली गई। इसके बाद लड़के गेंद लाने के लिए कमरे में चले गए। लेकिन उन्हें कक्षा में एक हथगोला मिला। बच्चों ने महसूस किया कि यह कुछ अलग था।

उन्होंने तत्काल इसकी सूचना ग्रामीणों को दी। बच्चों द्वारा दी गई सूचना के बाद गांव के लोग स्कूल पहुंचे. ग्रामीणों ने कक्षा में हथगोले भी देखे। इससे वह बौखला गए। उन्होंने तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी। ग्रामीणों द्वारा दी गई सूचना के बाद जाट पुलिस बम निरोधक दस्ते और डॉग स्क्वायड के साथ कडनूर गांव में भी घुस गई. इसके बाद पुलिस ने हथगोला जब्त कर लिया।

हालांकि यह हथगोला इस जगह पर कैसे आया? इसे किसने गिराया? ऐसे में पुलिस के सामने सवाल खड़े हो गए हैं। इस संबंध में पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। तो, इससे पहले 2017 में भी ऐसी ही एक घटना सामने आई थी। उस वक्त कुडनूर के एक ही गांव में दो बम मिले थे।

क्लासी बोतल बंद पानी बनाने वाली कंपनी किसी अधिकारी की भी नहीं सुनता

स्टाप मार्केटिंग के बावजूद भी बाजार में बेच रहा है पानी

वसई, पालघर सील बंद पानी की बोतलों में बिक रही बीमारियों पर अंकुश लगाने के लिए बीआईएस विभाग बोतल बंद पानी बनाने वाली कंपनियों के विरुद्ध अभियान चला रही है। अधिकारी ने इसके लिए कंपनियों में जाकर पानी की जांच करते हैं। सूत्रों के मुताबिक बीआईएस के पास शिकायत मिली थी कि वसई में बोतल बंद पानी बनाने वाली क्लासी कंपनी पानी की टीडीएस की जांच किए बिना ही पानी बेच रही है। शिकायत मिलने के बाद बीआईएस अधिकारी ने पानी की टीडीएस जांच की और स्टाप मार्केटिंग का आदेश जारी कर दिया। इसके बावजूद क्लासी कंपनी बेहिचक बोतल बंद पानी बना और बेच रहा है, उसके मालिक सिन्हा का कहना है कि हम अधिकारियों को हफ्ता देते हैं।

हमारा कुछ भी नहीं हो सकता है। अब ये समझने वाली बात है कि जिसको नोटिस देने के बावजूद भी क्लासी कंपनी बोतल बंद पानी बाजार में बिना किसी डर के बेच रही है और लोगों को बिमार कर रही है।

स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
महाराष्ट्र क्राईम्स
परिवार
HAPPY
Parsi New Year
16-08-2022

Proprietor
M. Datta
रक्षा बंधन, स्वतंत्रता दिवस, पतेती व
दही हंडी की हार्दिक शुभकामनाएं....
Digi Techno Enterprise
Cont. : 8976023002 / 9820423002
Email : dattamane1975@gmail.com

स्वतन्त्रता दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
जय हिन्द
उपेन्द्र विद्यासागर शुक्ला

ENVIRONMENTAL PROTECTION & FUNDAMENTAL FOUNDATION
रक्षा बंधन
की हार्दिक शुभकामनाऐं
शुभेच्छुक : श्री. वसीम चौधरी (अध्यक्ष)

स्वतंत्रता दिवस
की शुभकामनाएं
जय प्रकाश बिरजू यादव

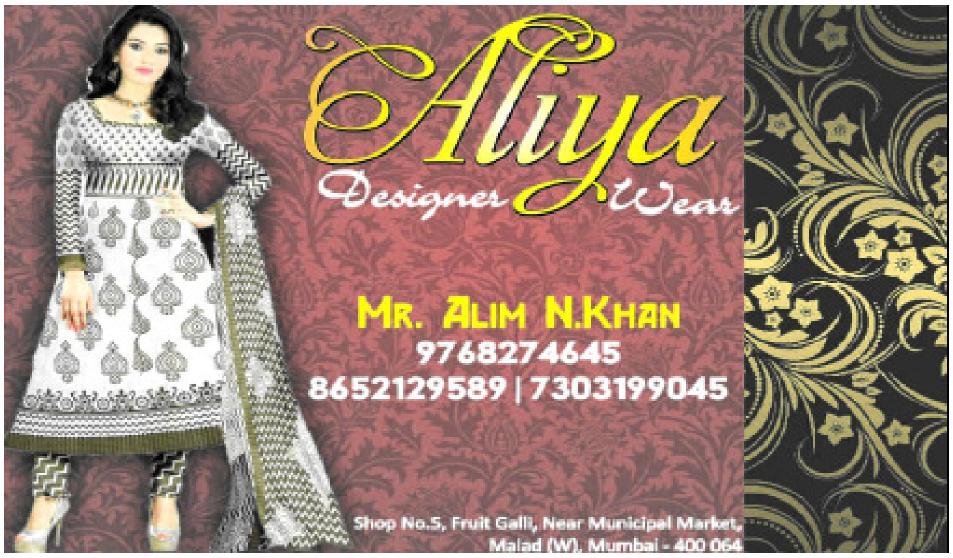
Aliya
Designer Wear
Mr. Alim N.Khan
9768274645
8652129589 | 7303199045
Shop No.5, Fruit Galli, Near Municipal Market,
Malad (W), Mumbai - 400 064

Mr. Nawaz N.Khan
Cell : 8652129589
8286218062
9768274645
Aliya
TEXTILE
Specialist In :
Readymade Suit,
Kurties
Leggings
Shop No.29, The Mall, 1st Floor, Station Road,
Malad (W), Mum - 64. Tel.: 022-62360217

Naila Tours & Travels
Mohammad Rizwan Shaikh
8108682673
Abdul Rahim Shaikh
92245 65662
Shami Qureshi Chawl No.1, Room No.2, Group No.2
Hariyali Village, Near Fish Market, Vikhroli (E),
Mumbai-400083. Email : abdulrahim84@rediffmail.com

Abdul Rahim Shaikh
Abdul Rahman Shaikh
9224565662
9930908351
Naila Enterprises
Wholeseller Of :
All Types Of Lighters & Pan Beedi Shop Products

अब 1100 में नहीं सिर्फ 587 रुपये में घर आएगा गैस सिलेंडर

नई दिल्ली) महंगाई की सफर सेट कर रहा प्रत्येक आदमी दो पैसा बचाना चाहता है। एलपीजी सिलेंडर के बिना खाना नहीं बनता है सरकार के द्वारा परिवारों को शुरूआत में मुफ्त में गैस सिलेंडर दिया गया लेकिन लोगों को फिर तो सिलेंडर भरने के लिए पैसा देना पड़ता है। पेट्रोलियम कंपनी ने एलपीजी सिलेंडर की कीमत काफी बढ़ा दी है। कोरोनावायरस के टाइम में सरकार के द्वारा दिया जाने वाला सब्सिडी को बंद कर दिया।

ये भी जानिये : कच्चे तेल में निरंतर आ रही गिरावट, सस्ता होगा पेट्रोल-डीजल !, जानें नए रेट्स

अब आपको कम पैसों में एलपीजी सिलेंडर मिल जाएंग?

क्योंकि सरकार ने सिलेंडर पर मिलने वाला सब्सिडी को फिर से शुरू करने का प्रस्ताव वित्त मंत्रालय को भेजा गया है इसमें झारखंड, मध्य प्रदेश और पूर्वोत्तर राज्यों में रसोई गैस पर सब्सिडी दिया जा रहा है। इसलिए देश के अन्य राज्यों में भी शुरू कर दिया जाएगा ।

अगर वित्त मंत्रालय के द्वारा प्रस्ताव को मंजूरी दे दी जाती है तो सरकार पेट्रोलियम कंपनी के डीलर को रु. 303 की सब्सिडी देगी और एलपीजी सिलेंडर पर भी उतना ही छूट मिलेगा। जो गैस सिलेंडर लेंगे उसके लिए रु. 900 नहीं बल्कि रु. 587 देना होगा।

ये भी जानिये : सातवें आसमान से नीचे पहुंचे रिफाइंड और सरसों तेल के दाम

इसके लिए आपको अपने एलपीजी कनेक्शन को आधार कार्ड से लिंक करना होगा अगर आप अपना एलपीजी कनेक्शन आधार से लिंक नहीं कराए हैं तो जल्द ही करवा और सब्सिडी का लाभ उठाना शुरू करें। आपको कनेक्शन से जुड़ा हुआ मोबाइल नंबर पर मैसेज के माध्यम से सब्सिडी के सभी जानकारी मिलेगी।

गैस कनेक्शन को मोबाइल से कैसे करें, जानिये

अपने गैस कनेक्शन को मोबाइल से लिंक करने के लिए अपनी कंपनी मसलन हिंदुस्तान पेट्रोलियम, इंडियन ऑयल या भारत पेट्रोलियम की वेबसाइट पर जाएं।

यहां आपको गैस कनेक्शन को मोबाइल से लिंक करने का ऑप्शन दिखेगा, उस पर क्लिक करें।

अब आप अपनी 17 अंकों की एलपीजी आईडी दर्ज करें।

इसे वेरिफाई करके सबमिट करें।

अब बुकिंग की तारीख सहित अन्य सभी जानकारी भरनी होगी।

इसके बाद आप सब्सिडी से जुड़ी सभी जानकारी यहां प्राप्त कर सकते हैं।

उमेश कोल्हे हत्या मामले में रडार पर संदिग्ध

मुंबई, अमरावती में केमिस्ट उमेश कोल्हे हत्या मामले में एनआईए ने दो और संदिग्धों को गिरफ्तार किया है, जिसमें मुख्य आरोपी के ड्राइवर का भी समावेश है। इन संदिग्धों के साथ आरोपियों की कुल संख्या अब नौ हो गई है। इस मामले में और भी आरोपियों की गिरफ्तारी होने की संभावना जताई जा रही है। एनआईए द्वारा गिरफ्तार किए आरोपियों में मुर्शीद अहमद रशीद (४१) और अब्दुल अरबाज अब्दुल सलीम (२३) का समावेश है। इससे जुड़े कुछ और आरोपियों को गिरफ्तार करने के लिए एनआईए की टीम फिलहाल अमरावती में है। जांच एजेंसी ने जिन दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, उनमें एक पर हत्या के लिए पैसा इकट्ठा करने का आरोप है, वहीं दूसरे आरोपी पर फरार आरोपी को छिपाने का आरोप है। अमरावती के उमेश कोल्हे हत्याकांड ने पूरे देश को झकझोर दिया था। इस हत्या के पीछे निलंबित भाजपा प्रवक्ता नूपुर शर्मा के समर्थन में की गई सोशल मीडिया पोस्ट को कारण बताया गया। अमरावती में आतिब और शाहरुख नामक हमलावरों ने उमेश पर चाकू से हमला कर उनकी नृशंस हत्या कर दी थी। इस हत्या के पीछे इरफान खान नामक शख्स को मास्टरमाइंड बताया जा रहा है। आरोप है कि इरफान ने मौलाना मुदस्सिर अहमद से उमेश की रेकी करवाई फिर हत्या के लिए दिहाड़ी मजदूरी करनेवाले शाहरुख पठान, अब्दुल तौफीक, शोएब खान और आतिब रशीद को चुना। २१ जून की रात आतिब और शाहरुख ने उमेश की हत्या कर दी। शुरूआत में इस हत्या की जांच अमरावती पुलिस के पास थी लेकिन बाद में इसे एनआईए को ट्रांसफर कर दिया गया। अब एनआईए ने जांच तेज करते हुए गिरफ्तारी शुरू की है।

बड़ी संख्या में स्कूली बच्चे वायरल फीवर के शिकार

मुंबई, यदि आपका बच्चा स्कूल में पढ़ रहा है तो यह जानकारी सावधान करनेवाली है। जानकारी के अनुसार मुंबई और आस-पास के क्षेत्रों में बड़ी संख्या में स्कूली बच्चे वायरल फीवर के शिकार हो रहे हैं। बच्चों में सर्दी, खांसी और बुखार सहित कई अन्य लक्षण भी दिखाई दे रहे हैं। पश्चिम उपनगर में ऐसे अनेकों स्कूलों में पढ़नेवाले बच्चों में इस तरह के लक्षण दिखे हैं। इससे अभिभावकों में चिंता बढ़ गई है। हालांकि अब तक कितने बच्चे बीमार पड़े हैं, इसके आधिकारिक आंकड़े सामने नहीं आए हैं। फिलहाल मनपा प्रशासन की तरफ से अपील की जा रही है कि अभिभावक अपने बच्चों का विशेष ध्यान दें। मुंबई शहर और उपनगरों के कई स्कूलों में बच्चों में वायरल फीवर और अन्य लक्षण दिखे हैं। पश्चिमी उपनगरों में स्कूलों के शिक्षकों ने सुझाव दिया है कि छात्रों में बुखार के लक्षण दिखने पर उन्हें कुछ दिनों तक स्कूल न भेजें। दूसरी तरफ स्कूलों के साथ-साथ कुछ निजी और घरों में संचालित होनेवाले क्लासेस में आनेवाले बच्चों में भी ऐसी बीमारियां दिखी हैं। मुंबई मनपा की कार्यकारी स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मंगला गोमारे के मुताबिक जलवायु परिवर्तन के कारण कुछ प्रमाण में बुखार और सर्दी-जुकाम की बीमारियां होती हैं। हालांकि इससे घबराने की कोई वजह नहीं है। ऐसी परिस्थिति पैदा होने पर यदि अभिभावकों ने अपने बीमार बच्चों को कुछ दिनों के लिए आराम करने दिया और घर पर ही इलाज कराया तो वायरल बीमारियां ठीक हो जाती हैं।

जूनियर कॉलेज एडमिशन 2022 के लिए पहली मेरिट लिस्ट जारी

मुंबई, महाराष्ट्र में फर्स्ट ईयर जूनियर कॉलेज एडमिशन 2022 के लिए पहली मेरिट सूची जारी हो गई है. वे छात्र जिन्होंने क्लास 11वीं या फर्स्ट ईयर जूनियर कॉलेज में एडमिशन के लिए अप्लाई किया हो, वे आधिकारिक वेबसाइट से मेरिट लिस्ट चेक कर सकते हैं. ऐसा करने के लिए उन्हें इस वेबसाइट पर जाना होगा झ 11ँ्रेंि२२्नल्ल. ङ्म१८.ल्ल रिजल्ट देखने के लिए कैंडिडेट्स को अपनी लॉगिन आईडी और पासवर्ड इस्तेमाल करना होगा. एफवाईजेसी एडमिशन, कॉमन एडमिशन प्रॉसेस (उअढ) के माध्यम से आयोजित हो रहे हैं.

ऐसे चेक करें मेरिट लिस्ट झ

एफवाईजेसी एडमिशन 2022 की पहली मेरिट लिस्ट चेक करने के लिए सबसे पहले आधिकारिक वेबसाइट पर जाएं यानी 11thadmission.org.in पर.

यहां होमपेज पर उस लिंक पर क्लिक करें जिस पर लिखा हो, - Maharashtra FYJC 11th Allotment Result.

इस पर क्लिक करते ही एक नया लॉगिन पेज खुलेगा. इस पेज पर अपनी लॉगिन आईडी और पासवर्ड डालें और सबमिट कर दें.

इतना करते ही एक पीडीएफ फाइल आपके कंप्यूटर स्क्रीन पर दिख जाएगी.

यहां से इसे डाउनलोड कर लें और चाहें तो प्रिंट भी निकाल सकते हैं.

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक महाराष्ट्र एफवाईजेसी सीएपी एडमिशन 2022 के लिए दो लाख से ज्यादा स्टूडेंट्स ने रजिस्ट्रेशन कराया था.

एफवाईजेसी सीएपी एडमिशन 2022 के लिए कुल 2,30,927 सीटें उपलब्ध हैं.

मेरिट लिस्ट में जिन छात्रों को सीटें आवंटित हैं उन्हें इन सीटों पर अपना एडमिशन कंफर्म करना होगा. इसके बाद बची सीटों के अनुसार आगे की मेरिट लिस्ट जारी होगी. एफवाईजेसी प्रवेश 2022 के संशोधित नियमों के अनुसार, अगर कोई छात्र अपनी पसंद के कॉलेज में सीट आवंटित होने के बाद एडमिशन कंफर्म नहीं करता है, तो उसे केवल अगले राउंड में शामिल होने से रोका जाएगा. पूरी प्रक्रिया से बेदखल नहीं किया जाएगा.

शिंदे गुट की याचिका पर अभी ना लें कोई फैसला - सुप्रीम कोर्ट

मुंबई, शिवसेना में फूट और सरकार के गिरने बनने की पूरी कहानी के बीच अभी भी दोनों धड़ों में विवाद बाकी है. सुप्रीम कोर्ट में गुरुवार को एकनाथ शिंदे गुट की याचिका पर सुनवाई हुई. दरअसल एकनाथ शिंदे गुट की तरफ से याचिका दायर की गई थी कि उन्हें ही असली शिवसेना माना जाए और पार्टी के सिंबल का अधिकार भी मिले. सुप्रीम कोर्ट ने इस याचिका को लेकर चुनाव आयोग को निर्देश दिए हैं कि एकनाथ शिंदे की याचिका पर अभी कोई फैसला नहीं लिया जाए.

सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस एन वी रमण, न्यायमूर्ति कृष्ण मुरारी और न्यायमूर्ति हिमा कोहली की पीठ ने कहा कि वो महाराष्ट्र के हाल के राजनीतिक संकट से संबंधित मामलों को संविधान पीठ के पास भेजने पर सोमवार तक फैसला लेगी. इसके अलावा याचिका को लेकर पीठ ने कहा कि हम इस पर फैसला लेंगे कि मामले को पांच सदस्यीय संविधान पीठ के पास भेजा जाए या नहीं. दरअसल उच्चतम न्यायालय महाराष्ट्र में हाल के राजनीतिक संकट के दौरान शिवसेना और उसके बागी विधायकों की तरफ से दायर याचिकाओं पर सुनवाई कर रही है. इस संकट से राजनीतिक दलों में विभाजन, विलय, दल बदल और अयोग्य करार देने समेत संवैधानिक मुद्दे पैदा हुए हैं. जिसे लेकर दोनों ही पक्षों की तरफ से दायर की गई याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई की जा रही है.

असंतुष्ट सदस्य के खिलाफ दलबदल विरोधी कानून को हथियार नहीं बना सकते - अदालत

मुंबई, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के शिवसेना गुट ने सुप्रीम कोर्ट में कहा, किसी राजनीतिक दल के बहुमत खो देने पर अपने सदस्यों को 'कब्जे' में करने के लिए दलबदल विरोधी कानून को हथियार नहीं बनाया जा सकता। इसके बाद शीर्ष अदालत ने एकनाथ गुट के वकील को उद्धव ठाकरे गुट की याचिकाओं पर कानूनी मुद्दों को फिर से तैयार करने का निर्देश दिया।

सीजेआई एनवी रमण की पीठ के समक्ष शिंदे गुट के वकील हरीश साल्वे ने कहा, एक विधायक का नेतृत्व से असहमति और बदलाव की मांग पार्टी के भीतर के विवाद से संबंधित है। यह संविधान की दसवीं अनुसूची (दलबदल विरोधी कानून) के अंतर्गत नहीं आता।

साल्वे ने कहा, राजनीतिक दल शिवसेना में कोई विभाजन नहीं है बल्कि इसके नेतृत्व को लेकर विवाद है।

इसे पार्टी के भीतर का विवाद कहा जा सकता है, जो दलबदल कानून के दायरे में नहीं आता है। उन्होंने कहा, दलबदल विरोधी कानून केवल उन लोगों पर लागू होता है जिन्होंने राजनीतिक दल की सदस्यता छोड़ी हो। लेकिन यहां एकनाथ शिंदे और अन्य विधायक अभी भी शिवसेना के भीतर हैं।

पीठ ने साल्वे को महाराष्ट्र में हालिया राजनीतिक संकट के कारण उत्पन्न सांविधानिक मुद्दों पर प्रतिद्वंद्वी उद्धव ठाकरे समूह की याचिकाओं पर कानूनी मुद्दों को फिर से तैयार करने को कहा। पीठ अब बृहस्पतिवार को इस पर विचार करेगी। पीठ शिवसेना और उसके बागी विधायकों द्वारा विभाजन, विलय, दलबदल और अयोग्यता के संवैधानिक मुद्दों पर दायर याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी।

ब्रांड एंबेसडर बने शाहरुख

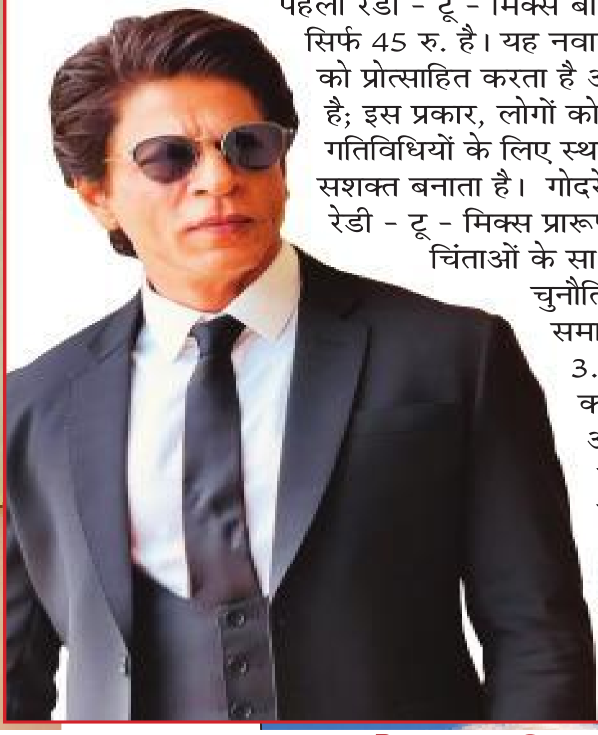

गोदरेज ने अभिनेता शाहरुख खान को गोदरेज मैजिक बॉडीवाश का ब्रांड एंबेसडर बनाया है। 'पुटिंग प्लैनेट बिफोर प्रॉफिट्स' के अपने मूल्य के अनुरूप, गोदरेज मैजिक बॉडीवाश का अनावरण किया। यह भारत का पहला रेडी - टू - मिक्स बॉडीवाश है, जिसकी कीमत सिर्फ 45 रु. है। यह नवाचार पुनः उपयोग की आदत को प्रोत्साहित करता है और नुकसान को कम करता है; इस प्रकार, लोगों को उनके दैनिक जीवन की गतिविधियों के लिए स्थायी विकल्प के चुनाव में सशक्त बनाता है। गोदरेज मैजिक बॉडीवाश, अपने रेडी - टू - मिक्स प्रारूप के चलते, पर्यावरणीय चिंताओं के साथ - साथ उपभोक्ता चुनौतियों का एक उपयुक्त समाधान है। भारत हर साल 3.5 मिलियन टन प्लास्टिक कचरा पैदा करता है। त्वचा और शरीर की देखभाल वाले उत्पादों में जल तत्व की मात्रा अधिक होती है; नतीजतन, उत्पादन से पहले टनों पानी भेजा जाता है और इसलिए तैयार उत्पाद परिवहन की दृष्टि से भारी हो जाता है।

हेलेन मिरेन ने किया अपना स्किन केयर रूटीन साझा

लॉस एंजेलिस। हॉलीवुड स्टार हेलेन मिरेन अपने स्किन केयर रूटीन को साझा करते हुए बताया है कि कैसे वो अपना ख्याल रखती हैं। रिपोर्ट के अनुसार अभिनेत्री इन दिनों बहुत कम छोटे ड्रेस पहनती हैं, परंतु उनका मानना है कि जब भी वह ऐसा कुछ पहनती है तो वो कभी अच्छी दिखेंगी, क्योंकि वह अपनी स्किन की बहुत केयर करती हैं। उन्होंने बताया, जब किसी कार्यक्रम के लिए मेरे द्वारा चुनी गई पोशाक की बात आती है तो मैं वास्तव में बहुत जल्दी उसे चुन लेती हूं। मैं किसी स्टाइलिस्ट या फैशन डिजाइनर के साथ काम करती हूं और देखती हूं कि उनके पास क्या है और वे मुझे क्या उधार दे सकते हैं।

अनन्या संग अफेयर की खबरों के बीच आदित्य ने बताया अपना वेडिंग प्लान

पिछले कुछ समय से अनन्या पांडे और आदित्य रॉय कपूर के अफेयरकी खबरें सामने आ रही हैं। करण जौहर के चैट शो कॉफी विद करण में अनन्या पांडे ने आदित्य को हॉट बताया था और करण ने भी दोनों केरिलेशनशिप को लेकर हिंट दिया था। इसके बाद से ही दोनों की रिलेशनशिप को लेकरखूब बातें हो रही हैं। वहीं, अब आदित्य रॉय कपूर ने भी अपने वेडिंग प्लान पर बात की है। शादी को लेकर कही ये बात
आदित्य रॉय कपूर से एक इंटरव्यू के दौरान जब शादी को लेकर सवाल किया गया, तो उन्होंने कहा, मैं पूरी तरह से शादी में विश्वास करता हूं। अगर होनी होगी तो हो जाएगी। ये ऐसे कुछ नहीं है, जिसे में मेनिफेस्ट करने कीकोशिश कर रहा हूं। मैं हर दिन को रोजाना की तरह लेता हूं। ऐसे में जबभी शादी होने होगी हो जाएगी। मेरा अभी शादी को लेकर कोई प्लान नहीं है। शादी जब होगी हो ही जाएगी।

ऐसा करने से मिलती है शांति

इसके अलावा आदित्य ने बताया कि उन्हें अपने परिवार के साथ समय बिताना पसंद है। आदित्य ने कहा, परिवार के साथ समय बिताना, गिटार बजाना, खेल खेलना और ट्रिप पर जाना ये कुछऐसी चीजें हैं, जो मुझे शांति और सुकून देते हैं। इन्हें करना मुझेपसंद है और जब आप ये करते हैं तो आप इसमें खो जाते हैं। जब आप ट्रेवल करते हैं, तो आप हमेशा रिफ्रेश होकर वापस लौटते हैं।

रिलेशनशिप को लेकर नहीं की बात

आदित्य रॉय कपूर ने अनन्या पांडे के साथ अपने रिलेशनशिप को लेकरकोई बात नहीं की। अनन्या पांडे ने भी कॉफी विद करण में आदित्य को हॉट तो बताया लेकिन रिलेशनशिप को लेकर चुप्पी साधे रहीं। वहीं, करण जौहर ने अपनेपार्टी के दौरान दोनों की नजदीकियों का जिक्र करके उनके अफेयर का हिंट दे दिया था।

रेशनिंग अधिकारी के नाम का दुरुपयोग

(पेज १ का शेष....)

अभी तो मेरे जात भाई शेख साहब ई - परिमंडल मे आ गये है. आप देखो मैं कितनी गैस एजन्सी पर कारवाई करके उनके गैस एजन्सी बंद करता हु? इस बात से कई गैस एजन्सी धारकों में काफी नाराजगी देखी जा रही है कि, एक रेशनिंग अधिकारी मुस्लिम होने के नाते क्या व सिर्फ आजाद के कहने से कही भी झुठी कानूनी कारवाई कर देंगे? कई लोग तो यह भी बताते है कि आजाद का और गुलाम अली शेख साहब का घरेलू संबंध है और श्री शेख साहब आजाद के कहने पर किसी भी गैस एजन्सी पर कानूनी कारवाई करके उस एजन्सी को बंद करा सकते है.

इस तरह से आज गैस एजन्सी मालिको मे चर्चा का विषय बना हुआ है, लेकिन ईन्हीं गैस एजन्सीयो के मालिक श्री शेख साहब के विषय में कुछ अच्छी बाते बताते है, कि शेख साहब सन 2012 से लेकर सन 2015 तक ई-परिमंडल में कार्यरत थे. सन 2015 में जब अश्विनी जोशी मुख्य नियंत्रक अधिकारी के रूप में अपना कार्य संभाल रही थी, तभी उन्होने शेख साहब की ईमानदारी को देखते हुए अपने साथ रखा. सन 2015 से लेकर सन 2018 तक शेख साहब श्रीमती. अश्विनी जोशी के साथ कार्यरत थी, सन 2018 में शेख साहब का तबादला मंत्रालय मे हुआ. सन 2018 से सन 2021 तक शेख साहब मंत्रालय मे थे. सन 2021 मे फिर से शेख साहब का तबादला वडाला के रेशनिंग विभाग परिमंडल-ई मे ए.सी.आर. के पद पर किया गया. जानकार बताते है कि शेख साहब को हम जानते है कि, उन्होने अभी तक किसी से एक रुपया तक रिश्वत के रूप में नहीं लिया है. यहां तक कि उन्होंने किसी की चाय तक नही पी हैं . वह अपनी चाय अपने घर से एक थर्मस में लेकर आते है. कई जानकार जब शेख साहब के बारे मे इतनी अच्छी बात उनके पीठ पीछे बता सकते है, तो इसका मतलब ये है कि शेख साहब हकीकत मे तारीफ के लायक हैं.

लेकिन अब सवाल यह उठता है कि आज जो आजाद अपनी जुबान से शेख साहब के विषय में लोगों से यह कहता है कि, उनके और आजाद के जो घरेलू संबंध है. इसका क्या मतलब? ऐसा आझाद शेख साहब का नाम लेकर दुसरे गैस एजन्सी धारको को क्यों डराना चाहता है? लोग यह भी कहते है कि लगता है कि पहले की तरह लोगो से आजाद रुपये वसुली की योजना बना रहा है. सूत्र से यह भी पता चला है कि इन आजाद महाशय ने चार एजन्सी धारकों को मुंबई के बाहर भागने को मजबूर किया है और उन गैस एजन्सी या उन एजन्सीओ के नाम से मोटी रक्कम कमा रहा है. इस खबर के प्रकाशित होने के बाद हम रेशनिंग विभाग के अधिकारियों से मांग करते है कि आप आजाद की विशेष रूप से तहकीकात करें, सख्त कानूनी कारवाई करें और विशेष रूप से मुंबई पश्चिम उपनगर के गैस एजन्सी धारकों को बिना डर के व्यवसाय करने दें.

स्कूल जाने के लिए जान जोखिम में डालकर नदी पार करते हैं बच्चे

नसिक, देश में शिक्षा मुहैया कराने के लिए केंद्र के साथ-साथ सभी राज्यों की सरकारें लगातार प्रयास कर रही हैं, जिसके लिए सरकारें स्कूल में मिड डे मील से लेकर छात्रों को स्कूल पहुंचाने तक की कई सुविधाएं मुहैया करा रही हैं। लेकिन देश में अब भी कई इलाके ऐसे हैं जहां मूलभूत सुविधाएं भी अब तक नहीं पहुंच सकी हैं। एक ऐसा ही वीडियो सामने आया है जिसमें स्कूली बच्चे जान जोखमि में डालकर नदी पार करने को मजबूर दिख रहे हैं। बारिश के कारण देश की बहुत सारी नदियां उफान पर हैं। देश के बहुत सारे हिस्से बाढ़ के चपेट में हैं, जिससे लोगों को अपने

बच्चों को स्कूल पहुंचाने में कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। महाराष्ट्र में कई दिनों से बारिश हो रही है। जिससे लोगों की जीवन प्रभावित हुआ है। लगातार बारिश होने से यहां के लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इसका सबसे ज्यादा प्रभाव दूर-दराज से स्कूल आने वाले बच्चों पर पड़ रहा है। महाराष्ट्र के नसिक जिले में एक नदी के ऊपर पुल नहीं होने के कारण स्कूली छात्रों को स्कूल जाने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। महाराष्ट्र के पेठ तालुका में नदी के ऊपर पुल नहीं होने से स्थानीय निवासी स्कूली छात्रों को अपने कंधे या बड़े-बड़े बर्तनों में रखकर प्रतिदिन नदी पार कराते हैं, जिससे वह स्कूल जाते हैं। दूसरा रास्ता नहीं होने से इसके अलावा स्थानीय निवासियों के पास कोई अन्य विकल्प भी नहीं है। स्थानीय निवसियों ने कहा, ह्य नदी गहरी है। बच्चों का स्कूल जाना भी बहुत जरूरी है, इसलिए हम लोग बच्चों को अपने कंधे पर या बड़े बर्तनों में रखकर नदी पार कराते हैं, तब सभी बच्चे स्कूल जा पाते हैं।

CNG महंगी होने के बाद अब ऑटो-टैक्सी यूनियन ने की किराए में बढ़ोतरी की मांग

मुंबई, बीते दिन आम आमदी को महंगाई का झटका देते हुए सीएनजी और पीएनजी की कीमत बढ़ा दी गई थी. वहीं अब ऑटो रिक्शा चालकों और टैक्सियों ने किराया बढ़ाने की मांग कर दी है. गौरतलब है कि मुंबई में ऑटो और टैक्सियों के लिए न्यूनतम किराया वृद्धि की मांग पहले से हो रही थी लेकिन सीएनजी की कीमत में बुधवार को हुई भारी बढ़ोतरी (86 रुपये प्रति किलोग्राम) के बाद ऑटो व टैक्सी चालकों ने किराए में 3 रुपये से बढ़कर 4 रुपये की वृद्धि करने की मांग की है.

मुंबई रिक्शामेन यूनियन के थम्पी कुरियन ने कहा,

ह्लखटुआ कमेटी की कैलकुलेशन के अनुसार, जो ईंधन की कीमत, जीवन निर्वाह सूचकांक की लागत, पूंजीगत लागत, वाहन के रखरखाव, बीमा आदि को ध्यान में रखती है, न्यूनतम वृद्धि हमें कुछ दिन पहले 3 रुपये मिली होगी लेकिन अब बुधवार से सीएनजी की कीमतों में 6 रुपये प्रति किलो की नई बढ़ोतरी के साथ, गणना बदल गई है. अब हम मौजूदा फॉर्मूले के अनुसार न्यूनतम 4 रुपये की बढ़ोतरी चाहते हैं.

बता दें कि मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन में CNG की कीमत बुधवार को 6 रुपये प्रति किलोग्राम बढ़ा दी गई थी. जिसके बाद सीएनजी की कीमत 86 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई है. सीएनजी के मामले में यह 13 महीनों में ग्यारहवीं वृद्धि है, जिसमें पिछले साल जुलाई से इस साल अगस्त के बीच कुल 36 रुपये तक बढ़ाए जा चुके हैं.

ट्रोल बाबा...

बॉलीवुड से एक बड़ी दुखभरी खबर:

मिथिलेश चतुर्वेदी का निधन

मुंबई. पॉपुलर फिल्म एक्टर मिथिलेश चतुर्वेदी का निधन हो गया है। वह अब इस दुनिया में नहीं हैं। बताया जा रहा है कि 68 वर्षीय मिथिलेश चतुर्वेदी ने 4 अगस्त की सुबह मुंबई के कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी हॉस्पिटल आखिरी सांस ली। मिथिलेश चतुर्वेदी का निधन कार्डियक अरेस्ट आने से हुआ है। इस बात की पुष्टि उनके दामाद आशीष चतुर्वेदी ने नवभारत टाइम्स ऑनलाइन से बातचीत में की है। आशीष चतुर्वेदी ने बताया कि कुछ दिन पहले भी मिथिलेश चतुर्वेदी को कार्डियक अरेस्ट आया था, जिसके बाद से कोकिलाबेन में उनका इलाज चल रहा था।

वहीं 'क्रेजी 4' और 'कोई मिल गया' में मिथिलेश चतुर्वेदी के साथ काम कर चुके डायरेक्टर जयदीप सेन ने कार्डियक अरेस्ट की बात कन्फर्म की। उन्होंने यह भी बताया कि मिथिलेश चतुर्वेदी रिकवर होने

के लिए बीच में लखनऊ भी गए थे। जयदीप सेन ने कहा, 'मिथिलेश जी के साथ मेरा बहुत ही करीबी रिश्ता था। 'कोई मिल गया' और 'क्रेजी 4' में मुझे उनके साथ काम करने का सौभाग्य मिला था।

'क्रेजी 4' बतौर निर्देशक मेरी पहली फिल्म थी। बहुत दुख होता है जब आप किसी को इतने करीब से जानते हो। उनके साथ काम किया है। उनके हुनर और उनकी प्रतिभा को करीब से इस्तेमाल किया है। ऐसे अच्छे इंसान जब दुनिया से चले जाते हैं तो बहुत दुख होता है।'

महिला एवं बाल विकास मंत्रायल में निकली वैकेंसी, 19 अगस्त तक करें आवेदन

मुंबई. सरकारी नौकरी की इच्छा रखने वाले उम्मीदवारों के लिए अच्छी खबर है. महिला एवं बाल विकास, महाराष्ट्र ने जिला बाल संरक्षण अधिकारी, संरक्षण अधिकारी, कानूनी-सह परिवीक्षा अधिकारी, सामाजिक कार्यकर्ता सहित कई पदों पर वैकेंसी निकाली है. इन पदों पर आवेदन की प्रक्रिया 2 अगस्त 2022 से शुरू हो गई है और आवेदन करने की अंतिम तारीख 19 अगस्त 2022 है. इच्छुक और योग्य उम्मीदवार जो इन पदों पर आवेदन करना चाहते हैं वे आधिकारिक वेबसाइट @ maharashtra.gov.in पर जाकर नोटिफिकेशन चेक कर सकते हैं.

वैकेंसी डिटेल्स

आवेदन और फीस भरने की शुरूआती तारीख : 02 अगस्त 2022

आवेदन और शुल्क भरने की आखिरी तारीख : 19 अगस्त 2022

जानें शैक्षणिक योग्यता

इन पदों पर आवेदन करने वाले उम्मीदवारों की शैक्षणिक योग्यता 12 वी पास, ग्रेजुएशन / पीजी डिग्री,डिप्लोमा, एलएलबी, कंप्यूटर (बीसीए) या समकक्ष योग्यता होना चाहिए.

आयु सीमा

आवेदन करने वाले उम्मीदवारों की न्यूनतम आयु 18 साल और अधिकतम आयु 43 साल होनी चाहिए.

जानें चयन प्रक्रिया

इन पदों पर उम्मीदवारों का सिलेक्शन लिखित परीक्षा और उसके बाद इंटरव्यू से आधार पर किया जाएगा.

जानें कैसे करें आवेदन

स्टेप 1. उम्मीदवार www. wcdcommpune.com पर क्लिक करें.

स्टेप 2. ऑनलाइन आवेदन पर क्लिक करें.

स्टेप 3. सभी जरूरी डिटेल्स भरें.

स्टेप 4. सभी डॉक्यूमेंट्स, फोटो और सिग्नेचर अपलोड करें.

स्टेप 5. आवेदन शुल्क का भुगतान करें.

यह समाचार पत्र मासिक महाराष्ट्र क्राईम्स मालिक,मुद्रक प्रकाशक सिराज चौधरी द्वारा राजीव प्रिंटर्स,४९६,पंचशील नगर१, नागसेन बुद्ध मंदिर रोड नं३, तिलक नगर, चेम्बुर, मुंबई४०००८९ से मुद्रित करवा कर ८/ऐ/१६९/२७०२/टागोर नगर, विक्रोली (पू),मुंबई४०००८३ से प्रकाशित किया ।

संपादक सिराज चौधरी मो. ९७७३६२२९६७